सिलीगुड़ी टाउन/सिलीगुड़ी जंक्शन के बीच एक छोटी लाइन और एक मीटर लाइन साथ-साथ चलती हैं और उन दोनों के किराये में अन्तर है ।

(ख) पूर्वोत्तर सीमा रेलवे की बड़ी और मीटर लाइन खण्डों की अपेक्षा दार्जिलिंग हिमालयन खण्ड पर अधिक ऊंची दर पर किराया लिया जाता है । छोटी लाइन खण्ड को सिलीगुड़ी जंक्शन से न्यू जलपाईगुड़ी तक बढ़ा दिये जाने के फलस्वरूप दार्जिलिंग-हिमालयन खण्ड पर अधिक दर पर लिया जाने वाला किराया इस बढ़े हुए छोटी लाइन खण्ड पर भी लागू कर दिया गया ।

(ग) जो यात्री छोटी या मीटर लाइन से यात्रा करना चाहते हैं, उन्हें उनकी इच्छानुसार छोटी या मीटर लाइन के अलग-अलग टिकट जारी किये जाते है ।

(घ) जी हां ।

कपड़े के मूल्य

*102. **श्री अटल बिहारी वाजपेयी :**
श्री बलराज मधोक :
श्री यशपाल सिंह :
श्री राम किशन गुप्त :
श्री विभूति मिश्र :
श्री क० ना० तिवारी :
श्री इन्द्रजीत गुप्त :
श्री सिद्धेश्वर प्रसाद :
श्री वासुदेवन नायर :
श्री स० मो० बनर्जी :
श्री मधु लिमये :
श्री मोहन स्वरूप :
डा० रानेन सेन :
श्री प्र० के० देव :
श्री क० प्र० सिंह देव :
श्री वीरेन्द्रनाथ :
श्री राणे :
श्री आत्म दास :
श्री जनार्दनन :
श्री अनिरुद्धन :

क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अप्रैल के दूसरे सप्ताह से कन्ट्रोल वाले कपड़े के मूल्य में $4\frac{1}{2}$ प्रतिशत वृद्धि कर दी गई है;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं; और

(ग) क्या जनता को कान्ट्रोल की दरों पर कपड़ा उपलब्ध कराने की दृष्टि से कोई और कदम उठाया गया है ?

वाणिज्य मंत्री (श्री दिनेश सिंह) : (क) से (ग). 19 अप्रैल, 1967 से कन्ट्रोल वाले कपड़े के मिल से चलते समय के मूल्यों में वृद्धि की गयी है, जिसमें रुई की लागत और मजदूरी में वृद्धि का, जो अक्तूबर 1966 में पहिले मूल्य संशोधन करने के बाद हुई है, ध्यान रखा गया है ।

देश भर में छपे हुए दामों पर कान्ट्रोल वाले कपड़े की उपलब्धि पर सतत निगरानी रखी जाती है । यह सुनिश्चित करने के लिये कि कन्ट्रोल वाला कपड़ा उपभोक्ताओं को नियत दामों पर मिले, राज्य सरकारों के सहयोग से आवश्यक प्रवर्तन व्यवस्था की गई है । अपराधी व्यापारियों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जाती है । कपड़ा बाजारों की समय-समय पर जांच तथा निरीक्षण किये जाते हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उपभोक्ताओं को कन्ट्रोल वाला कपड़ा नियत दामों पर ही प्राप्त होता है । कुछ अधिक बारीक कपड़े को छोड़कर, जिसके लिये आयातित रुई की जरूरत पड़ती है, कन्ट्रोल वाले कपड़े की कमी के बारे में कुल मिलाकर कोई शिकायत नहीं है ।